क्रिसमस

प्रतिवर्ष २५ दिसम्बर को क्रिसमस का त्यौहार धूमधाम से मनाया जाता है | यह प्रायः संसार के सभी देशों में मनाया जाता है | यों तो यह ईसाइयों का त्यौहार है, परन्तु हमारे देश भारत में हिन्दू, मुसलमान, सिख, बौद्ध आदि जातियों के लोग भी ईसाइयों के साथ इस उत्सव में शामिल होते हैं |

कहते हैं, इसी दिन ईसामसीह का जन्म हुआ था | ईसामसीह ने मनुष्य को मनुष्य से प्रेम करना सिखलाया | ईसामसीह ने ग़रीबों, पीड़ितों और रोगियों की सेवा करके हमें मनुष्यता का पाठ पढ़ाया | उन्होंने शिक्षा दी कि यदि कोई तुम्हारे एक गाल पर चाँटा मारे, तो दूसरा गाल आगे कर दो |

इसलिए संसार के करोड़ों लोग महात्मा ईसा के जन्मदिन को क्रिसमस के रूप में मनाते हैं | दिसम्बर की १९-२० तारीख से ही लोग अपने घरों, दुकानों, कारखानों, दफ्तरों तथा गिरजाघरों की सफाई करते हैं | दीवारों पर सफेदी और डिस्टेम्पर करवाते हैं | दरवाजों को नये रंग-रोगन से चमकाते हैं | कमरों में प्रभु ईसा का चित्र लटकाते हैं |

क्रिसमस के दिन आँगन में देवदार का पेड़ बनाया जाता है | इसके ऊपर खिलौने, फूल, गुब्बारे आदि बाँध दिए जाते हैं | रात को दीपों, मोमबत्तियों या बिजली के बल्वों का प्रकाश किया जाता है | बच्चों के सिरहानों के नीचे नई जुर्राबों में छिपाकर मिठाइयाँ, टाफियां आदि रखी जाती हैं | बच्चे सवेरे उठकर मिठाइयाँ निकालकर खाते हैं | वे इस दयालु वृद्ध सांता क्लाज का प्रसाद मानते हैं | कई जगह सारी रात गाना-बजाना, नाच-नाटक आदि होता रहता है | गिरजाघरों में आराधना की जाती है |

क्रिसमस के लिए मित्रों, सम्बन्धियों आदि को उपहार भेजे जाते हैं | क्रिसमस का त्यौहार सचमुच आनंद की लहर फैला जाता है |